यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2017

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 4

पूर्णांक : 100

नाम.....पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम.....जन्मतिथि.....मोबाइल.....रोल नं.....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हो । ( )
2. 97 अंक एवं सामायिक करने वाले 3 अंक प्राप्त कर सकते है। ( )

प्रश्न 1. शब्दार्थ लिखिए ? **10× 1 = 11**

1. अब्भणूण्णाए
2. झूसणा-
3. सूवहिहि-
4. गवालिए-
5. निरुवलेवे-
6. मज्जणविहिं
7. ऊसासणिसासेहिं-
8. किलामो-
9. दुगुंछिउं-
10. परमत्थसंथवो-
11. इंगालकम्मे

प्रश्न 2. अधूरे वाक्यों को पूर्ण करो? 24

1. महावीर भगवान .....

..... तुमको लाखों प्रणाम!

2. सोतेली माँ .....

..... धधकते अंगार है।

3. क्रोधाग्नि से .....

..... अज्ञानवश में ग्रस्त हूँ।

4. स्त्रीणां .....

..... जननी प्रसूता।

5. उच्चैर .....

..... नितान्तम्।

6. णमो उवज्झायाणं अर्थात चौथे पद .....

..... 32 सूत्रों के जानकार है।

7. तस्स धम्मस्स .....

..... ।

8. सव्वकालियाए .....

..... अप्पाणं वोसिरामि।

9. इच्छामि णं भंते .....

.....।

10. एवं समणोवासएणं .....

..... मिच्छामि दुक्कडं।

11. अप्पडिलेहिए .....

..... जो में देवसिओं अइयारों कओ।

12. अढ़ाई द्वीप .....

..... तीन मनोरथ चिंतवे।

प्रश्न 3. रिक्त स्थानों को पूर्ण कीजिएः- **10**

1. आत्मा के जो परिणाम है उनको ..... कहते है।

2. ..... वैराग्यमय जीवन एवं समभाव की सर्वोच्च तप अवस्था है।

3. ..... महापाप दुर्गति का कारण हैं।

4. इन्द्रिय दमन करने वाला, स्वाध्यायावि में रत रहने वाला ..... का लक्षण है।

5. यह ..... भरा संसार है, यहाँ कर्मो का ही व्यापार है।

6. संसार ठगने के लिए ..... को धारण किया?

7. भावना भाने से ..... के प्रति अनुराग बढ़ता है।

8. ..... जीव कर्मों का क्षय कर मोक्ष प्राप्त कर लेते है।

9. विभाव में गई हुई आत्मा को वापस स्वभाव में आना ..... है।

10. कुल ..... की विनय भक्ति करें।

11. केवलियों की संख्या ..... है।

12. ..... विनीत सबको प्रिय लगने वाला होवे।

13. मूलगुण ..... का निरतिचार पालन करने से तीर्थंकर पद कि प्राप्ति होती है।

14. मैं ..... श्रावक धर्म की आराधना के लिए उद्योत हुआ हूँ।

15. स्वयं पच्चक्खाणं करना हो या दूसरों को करवाना हो तो ..... ही बोले।

16. ..... की अपेक्षा लिंग के द्वारा सम्यक्त्व का स्पष्टतर बोध होता है।

17. ..... बोलते हुए खड़े होने और शेष पाठ पूरा करे।

18. कायोत्सर्ग में देवसिक प्रतिक्रमण में ..... लोगस्स चातुर्मासिक प्रतिक्रमण में .... लोगस्स का ध्यान करे।

19. आँवला से बाल धोने की मर्यादा करना ..... है।

20. ईर्ष्या करके दान देने में प्रवृति करना ..... है।

प्रश्न 4. किसने किससे क्या कहा बताइये ? **4× 2 = 8**

1. ठंठन मुनि के विषय में भगवान महावीर ने क्या किससे कहा?

.....

.....

.....

2. कौनसा क्षमणोपासक किसको क्या समझाते हुए प्रभु महावीर के पास ले गया?

.....

.....

.....

3. कौनसे देव ने प्रभु के पास आकर क्या निवेदन किया?

.....

.....

.....

4. हम लोग चोर है, यह किसने किससे कहां और किसका परिणाम है।

.....

.....

.....

प्रश्न 5. सही के सामने संयम और गलत के सामने संसार लिखिए ? **10× 1 = 10**

1. महात्मा गांधी ने कई बार संथारा किया ? ( )
2. प्रज्ञा कला के बिन्दु हो आदर्श हो आधार से– ( )
3. अन्य मंत्रों से परम, परमेष्ठी मंत्र हटा दिया– ( )
4. ज्योतिषी देवों में पदम लेश्या होती है– ( )
5. विशिष्ट ज्ञानी मुनिराज की भक्ति से तीर्थंकर पद प्राप्त होता है। ( )
6. जिन कार्यों से जिनशासन की शोभा विशेष रूप से बढ़े वे लक्षण कहलाते है? ( )
7. कठिन तपस्या करके जिनमत को दीपाने वाले तपस्वी होते है? ( )
8. भक्ति, सेवा, अपमान करना विनय कहलाता है? ( )
9. बिना बोलाये स्नेह पूर्वक वार्ता रूप आलाप नहीं करना आलाप है? ( )
10. अनेक प्रकार से जिनशासन की ख्याती बढ़ाना प्रभावना है? ( )

प्रश्न 6. सही के सामने संयम और गलत के सामने संसार लिखिए ? **10× 1 = 10**

1. दोनों घुटने जमीन पर टिकाना ?
2. मैं अनेक कुलो का समूह हूँ ?

3. समकित की मजबूती में हम चारों को 6-6 बोल है?

4. मैं तपादि क्रियाओं के फल में संदेह करता हूँ

5. मैं संसार कारागार से शीघ्र मुक्त होने की इच्छा रखता हूँ

6. मैंने गणित, व्याकरण, छन्द, काव्य आदि का ज्ञान दिया-

7. मैंने भगवान को पहला दान दिया।

8. मेरी सौम्यता के समक्ष अर्जुन की क्रुरता परास्त्र हो गई-

9. मैं धैर्यपूर्वक नगर के राजा का सेवक था?

10. मैं छलपूर्वक बर्ताव करने वाला हूँ-

11. मैं परमार्थ को जानने वालो की सेवा करता हूँ-

प्रश्न 7. सही के सामने संयम और गलत के सामने संसार लिखिए ? **8×3 = 24**

1. प्रतिक्रमण करने से क्या लाभ है?

.....

.....

.....

2. श्रावक सूत्र में क्या-क्या पाठ बोला जाता है, क्रम से लिखिए ?

.....

.....

.....

3. संथारा व आत्महत्या कोई 3 अंतर लिखिए?

.....

.....

.....

4. दूषण किसे कहते है 2-4 दूषण लिखिए

.....

.....

.....

5. नील लेश्या का लक्षण संक्षिप्त में लिखिए?

.....

.....

.....

6. पुण्यवान को प्राप्त उत्तम सामग्री कौनसे शास्त्र में है 4 सामग्री लिखिए?

.....

.....

.....

7. सम्यक्त्व कि सुरक्षा किससे की जाती है वह कितनी होती है?

.....

.....

.....

8. सम्यक्त्व वे 20वां बोल लिखते हुए परिभाषा लिखिए?

.....

.....

.....